मसीह का पुनआगमन

(Christ is coming again)

लेखक: मैलकम स्कॉट Malcolm Scott

क्रिष्टडेलफियन
जी.पी.ओ.बॉक्स 159
हैदराबाद 500 001

The Christadelphians
GPO Box 159,
Hyderabad - 500 001

परिचय

Introduction

यह संसार जिसमें हम रहते है एक विरोधीभाषी संसार है।

इस जगत में बहुत से मनुष्य विलासिता और आरामदायक जीवन बीता रहे है। ऐसा लगता है कि उनकी सभी आवश्यकताऐं पूरी हो जाती है। उनका अच्छा घर है, अच्छी नौकरी है और उनके सामने कोई ऐसी समस्या नहीं है जिसका वे समाधान न कर सकें।

दूसरी ओर संसार में बहुत वें लोग है जो और जनसंख्या वृद्धि से बुरी तरह परेशान है। लाखों लोगों के पास अपने परिवारों का पेट भरने के लिए भोजन नहीं है। लाखों लोग स्वयं बीमारियों का घर बने हुए है। ऐसी परिस्थितीयों में कुष्ट जैसी बीमारी तेजी से बढती है तथा जीवन बडा कष्ट भरा होता है।

राष्ट्रो के मध्य भी निरन्तर तालमेल नहीं बैठता हैं। ऐसा लगता है जैसे हमेशा लडाई हो रही है तथा लोग राजनैतिक विषयों के कारण रोज मर रहे है।

संसार की समस्याओं को समाज सुधारकों, राजनितिज्ञों तथा चैरिटेबिल संस्थाओं ने समाप्त करने का प्रयास किया है लेकिन यें समस्या फिर भी निरन्तर बनी हुई हैं। वास्तव में कई प्रकार की सरकार भी आयी तानाशाही, लोकतन्त्र, प्रजातन्त्र आदि लेकिन अभी भी मानव संसार की परेशानियों में संघर्ष कर रहा है। इस बातों से यह सिद्ध होता है कि मनुष्य इसके इर्द-गिर्द की समस्याओं से छुटकारा पाने में प्रयास के बाद भी अम्समर्थ है। संसार की कई समस्याओं का कारण मनुष्य का स्वार्थी होना है। सत्ता प्राप्त व्यक्ति केवल उन्हीं के साथ कार्य करना चाहता है जो उसे सहयोग देते है और जिन्होंने उसे सफल होने में सहायता की है सामान्यतः यह सफलता उनके खर्च पर प्राप्त हुई है जो उसे सहयोग नहीं देते। मनुष्य सच में स्वार्थी है।

क्या कभी इन समस्याओं का समाधान होगा? उत्तर है हां, लेकिन मनुष्य इस जगत की समस्याओं का समाधान नहीं कर सकता। हमें इसका उत्तर खोजने के लिए परमेश्वर के वचन की ओर मुडना चाहिए। बाईबिल हमें भविष्य के विषय में बताती है तथा यह भी बाती है कि इस संसार को रहने हेतु सुखद बनाने के लिए हमें क्या करना है। बाईबिल हमें बताती है कि मानव को एक के बाद एक कमी का निरन्तर सामाधान के बजाय स्व प्रयास से उसे और भी अधिक बिगाड देता है। बाईबिल हमें यह भरोसा देती है कि यदि हम परमेश्वर पर विश्वास करें तथा अपना उस पर भरोसा रखें तो हम सुरक्षापूर्ण जीवन

में शान्ति के साथ ऐसा जीवन बितायेंगे जहाँ जीवन की समस्याओं का समाधान हो जायेगा और हम आशीष्पूर्ण जीवन का आनन्द ले सकेंगे।

बाईबिल हमें यह बताती है कि यह तब होगा जब प्रभु यीशु मसीह जगत में दुबारा आयेंगे।

इस लघु पुस्तिका हम प्रभु यीशु मसीह के वापस पृथ्वी पर लौटने के विषय में बाईबिल की ओर ध्यान देंगे और वापस लौटने के समय वह क्या करेगा इस बात पर चर्चा करेंगे।

यीशु पृथ्वी पर लौटेगा

Jesus will return to earth

बाईबिल हमें बताती है कि प्रभु यीशु मसीह स्वर्ग से वापस पृथ्वी पर भविष्य में आयेगा। नये नियम की यह सामान्य-सी शिक्षा है।

यीशु मसीह, स्वर्गदूत तथा प्रेरितों ने यही शिक्षा दी कि वह वापस पृथ्वी पर लौटेगा।

1. यीशु ने अपने शिष्यो को अपने पृथ्वी पर वापस लौटने के विषय में शिक्षा दी।

"मनुष्य का पुत्र अपने स्वर्गदूतों के साथ अपने पिता की महिमा में आएगा, और उस समय वह हर एक को उसके कामों के अनुसार प्रतिफल देगा।" (मत्ती 16:27)

"देख, मैं शीघ्र आनेवाला हूं; और हर एक के काम के अनुसार बदला देने के लिये प्रतिफल मेरे पास है।" (प्रकाशितवाक्य 22:12)

2. परमेश्वर के स्वर्गदूतो ने यह प्रमाणित किया कि प्रभु यीशु वापस पृथ्वी पर लौटेगा।

"... और कहने लगे, जो तुम्हारे पास से स्वर्ग पर उठा लिया गया है, जिस रीति से तुम ने उसे स्वर्ग को जाते देखा है उसी रीति से वह फिर आएगा।" (प्रेरितों के काम 1:11)

3. प्रेरितों ने भी प्रभु यीशु के वापस पृथ्वी पर लौटने के विषय में शिक्षा दी।

"और वह उस मसीह यीशु को भेजे जो तुम्हारे लिये पहिले ही से ठहराया गया है। अवश्य है कि वह स्वर्ग में उस समय तक रहे जब तक कि वह सब बातों का सुधार न कर ले जिस की चर्चा परमेश्वर ने अपने पवित्र भविष्यवक्ताओं के मुख से की है, जो जगत की उत्पत्ति से होते आए हैं।" (प्रेरितों के काम 3:20-21)

इन पदों से हम देख सकते है कि बाईबिल दास्तव में प्रभु यीशु के स्वर्ग से दुबारा आने की शिक्षा देती है।

यदि आप ध्यानपूर्वक बाईबिल के इन पदों को देखें तो इनमें बाईबिल की कई मुख्य शिक्षायों मिलती है।

(क) केवल मसीह ही नियत समय तक स्वर्ग में रहा।

(ख) प्रभु यीशु स्वर्ग से आते समय पुरुस्कार लेकर आयेगा।

केवल उपरोक्त पद ही मसीह के पुनःआगमन के विषय में बताने वाले पद नहीं है। लेकिन अन्य बहुत से पद भी हमें यही संदेश देते है। कुछ पद निम्नलिखित है।

1 कुरिन्थियों 15:23; 1 थिस्सलुनीकियों 2:19, 5:23; 1 तीमुथियुस 6:14; 2 तीमुथियुस 1:10, 4:1,8; तीतुस 2:13; याकूब 5:7-8; 1 पतरस 1:7; 2 पतरस 1:16; 1 यूहन्ना 2:28।

बाईबिल की स्पष्ट शिक्षा यह है कि प्रभु यीशु वापस पृथ्वी पर आयेंगे। प्रेरितों ने भी यही बताया कि जिस रीति से प्रभु यीशु ऊपर गये उसी रीति से वापस आयेंगे। यीशु ने स्वयं भी यही सिखाया कि वे वापस पृथ्वी पर आयेंगे।

प्रभु यीशु जब वापस आयेंगे तब क्या करेंगे?

What will Jesus do when he returns?

बाईबिल प्रभु यीशु के विषय में कई बातों को बताती है जो वें दुबारा पृथ्वी पर आने पर करेंगे।

1. यीशु एक राज्य की स्थापना करेंगे

Jesus is going to set up a kingdom

हमने प्रेरितों के काम 1:11 में अभी देखा कि दो स्वर्गदूतों ने प्रभु यीशु के पृथ्वी पर पुनःस्थापना की बता कही। प्रभु यीशु के स्वर्गारोहण से ठीक पहले चेलों ने यीशु से एक प्रश्न पूछा:

"सो उन्हो ने इकठ्टे होकर उस से पूछा, कि हे प्रभु, क्या तू इसी समय इस्राएल को राज्य

फेर देगा?" (प्रेरितों के काम 1:6)

चेले इस बात को जानते थे कि यीशु एक राज्य स्थापित करेंगे। अब यीशु मसीह क्रूस पर चढाये जाने के पश्चात् मृतकों में से जीवित हो चुके थे तो चेले यह सोच रहे थे कि यीशु अब "इस्राएल को राज्य फेर देगा"।

चेलों का इस्राएल के राज्य के विषय में ऐसा सोचने का एक बड़ा कारण था। पुराने नियम का यही मुख्य संदेश है कि एक राज्य स्थापित होगा जो पृथ्वी के सारे राष्ट्रों के ऊपर प्रभुता करेगा।

"और उन राजाओं के दिनों में स्वर्ग का परमेश्वर, एक ऐसा राज्य उदय करेगा जो अनन्तकाल तक न टूटेगा, और न वह किसी दूसरी जाति के हाथ में किया जाएगा। वरन वह उन सब राज्यों को चूर चूर करेगा, और उनका अन्त कर डालेगा; और वह सदा स्थिर रहेगा।" (दानिय्येल 2:44)

इस राज्य का सिंहासन यरुशलेम में होगा और यह राज्य पृथ्वी के सब लोगों को प्रभावित करेगा।

"उस समय यरुशलेम यहोवा का सिंहासन कहलाएगा, और जब जातियां उसी यरुशलेम में मेरे नाम के निमित्त इकठ्टी हुआ करेंगी, और वे फिर अपने बरे मन के हठ पर न चलेंगी।" (यिर्मयाह 3:17)

इस राज्य का राजा परमेश्वर के मार्ग को हमारे जीवन का मार्ग बनायेगा। याद कीजिए हमने परिचय में आपसे क्या कहा था। "इस जगत की अधिकतर समस्याओं का कारण मनुष्य का स्वार्थी होना है। सत्ता प्राप्त व्यक्ति उनके साथ कार्य करने में प्रसन्न रहता है जिनके सहयोग से वह सफल हुआ है साधारणत: यह उनके खर्च पर हुआ जो उन्हें सहयोग नहीं करत। कैसे भी इस राज्य में जो पृथ्वी पर स्थापित होगा मनुष्य अपने बुरे मन की हट के अनुसार नहीं चलेगें।"

इस राज्य का दूसरा दृश्य में प्रत्येक व्यक्ति परमेश्वर के मार्गो को स्वेच्छा से सीखेगा। सम्पूर्ण पृथ्वी के जन यरुशलेम में परमेश्वर के मार्गो को सीखने आना चाहेंगे।

"और बहुत जातियों के लोग जाएंगे, और आपस में कहेंगे, आओ, हम यहोवा के पर्वत पर चढकर, याकूब के परमेश्वर के भवन में जाएं; तब वह हम को अपने मार्ग सिखाएगा, र हम उसके पथों पर चलेंगे। क्योंकि यहोवा की व्यवस्था सिय्योन से, और उसका वचन यरुशलेम से निकलेगा।" (मीका 4:2)

2. यीशु इस राज्य का राजा होगा

Jesus will be king of this kingdom

2 शमूएल 7:12-13 पद में परमेश्वर ने राजा दाऊद से एक प्रतिज्ञा की।

12-13 पद में हम पढते है, "जब तेरी आयु पूरी हो जाएगी, और तू अपने पुरखाओ के संग सो जाएगा, तब मैं तेरे निज वंश को तेरे पीछे खडा करके उसके राज्य को स्थिर करुंगा। मेरे नाम का वही बनवाएगा, और मैं उसकी राजगद्दी को सदैव स्थिर रखूंग।"

इस प्रतिज्ञा में एक वंश का वर्णन है जिसका सिंहासन सर्वदा स्थिर रहेगा।

लूका रचित सुसमाचार के प्रथम अध्याय में मरियम के पास एक स्वर्गदूत आया तथा उससे कहा कि वह एक पुत्र को जन्म देगी। वह विशेष पुत्र होगा क्योंकि उसका गर्भधारण एक चमत्कारी रुप में होगा।

"तू उसका नाम यीशु रखना।" (लूका 1:31)

लूका 1:32-33 पद में हम पढते है "...प्रभु परमेश्वर उसके पिता दाऊद का सिंहासन उस को देगा ... और उसके राज्य का अन्त न होगा।"

मत्ती 1:1 से यह स्पष्ट हो जाता है कि यीशु मसीह दाऊद का वंशज है।

बाईबिल स्पष्ट रुप से बताती है। दाऊद का वंश जो उसके सिंहासन पर बैठेगा वह यीशु मसीह है। जब प्रभु यीशु वापस पृथ्वी पर आयेंगे तब वह इस्राएल के राज्य की पुर्नस्थापना करके अपना सिंहासन यरुशलेम में वही स्थापित करेंगे राजा दाऊद का सिंहासन था।

बाईबिल अपनी शिक्षा में यहां भी स्पष्ट तथा निश्चित है कि यरुशलेम ही वह स्थान होगा जहां से परमेश्वर का राज्य प्रभुता करेगा।

"उस समय यरुशलेम यहोवा का सिंहासन कहलाएगा।" (यिर्मयाह 3:17)

यहां तक कि प्रभु यीशु मसीह ने भी यरुशलेम को "महाराजा का नगर है" बताया। (मत्ती 5:35)

इस प्रकार हमने देखा कि बाईबिल हमें यह सिखाती है।

अ) प्रभु यीशु पृथ्वी पर लौटेगा।
ब) परमेश्वर का राज्य पृथ्वी पर स्थापित किया जायेगा।

स) इस राज्य का राजा यरुशलेम से राज्य करेगा।

द) इस राज्य का राजा परमेश्वर की व्यवस्था द्वारा शासन करेगा मानव की व्यवस्था के अनुसार नहीं।

ए) प्रत्येक प्राणी इस राजा को सम्पूर्ण पृथ्वी का शासक मानेगा।

फ) यह राजा यीशु है।

3. यीशु मृतको को जीवित करेंगे

Jesus will raise the dead

इब्रानियों 11 अध्याय हमें बताता है कि पुराने नियम के बहुत से स्त्री पुरुषों ने विश्वास्योग्य जीवन व्यतीत किया लेकिन उन्हे अब तक भी अनन्त जीवन का पुरस्कार नहीं मिला। यह विश्वासयोग्य लोगों की छोटी सी सूची है। इनसे अलग भी बहुत से लोग मर चुके है जिन्होने परमेश्वर के सम्मुख विश्वास योग्य जीवन बिताया है। यही अध्याय हमें यह भी बताता है कि अनन्त जीवन की प्रतिज्ञा का पूरा होना अभी बाकी है।

"... और विश्वास ही के द्वारा इन सब के विषय में अच्छी गवाही दी गई, तौभी उन्हे प्रतिज्ञा की हुई वस्तु न मिली।" (इब्रानियों 11:39)

वे अनन्त जीवन की प्रतिज्ञा को कैसे प्राप्त करेंगे? यीशु के आगमन के समय पुनरुत्थान होगा। पुनरुत्थान की यह शिक्षा बाईबिल में कई स्थानों पर४ सिखायी गयी है।

"क्योंकि प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगा; उस समय ललकार और प्रधान दूत का शब्द सुनाई देगा, और परमेश्वर की तुरही फूंकी जाएगी, और जो मसीह में मरे है, वे पहिले जी उठेंगे।" (1 थिस्सलुनीकियों 4:16)

"और जो भूमि के नीचे सोए रहेंगे उन में से बहुत से लोग जाग उथेंगे, कितने तो सदा के जीवन के लिये, और कितने तो सदा के जीवन के लिये, और कितने अपनी नामधराई और सदा तक अत्यन्त घिनौने ठहरने के लिये।" (दानिय्येल 12:2)

"मैं तुम से सच सच कहता हूं, वह समय आता है, और अब है, जिस में मृत्तक परमेश्वर के पुत्र का शब्द सुनेंगे, और जो सुनेंगे वे जीएंगे।" (यूहन्ना 5:25)

"इस से अचम्भा गत करो, क्योंकि वह समय आता है, कि जितने कब्रों में है, उसका शब्द सुनकर निकलेंगे।" (यूहन्ना 5:28)

मृतकों में से जीवित किये हुओ को परमेश्वर के जानने वाले जीवित लोगों के साथ इकट्ठा

किया जायेगा तथा उनका न्याय होगा।

प्रेरितो पौलुस इसका निश्चय दिलाता है कि प्रभु यीशु मसीह इस समय न्याय करेंगे।

"परमेश्वर और मसीह यीशु को गवाह करके, जो जीवतों और मरे हुओ का न्याय करेगा, उसे और उसके प्रगट होने, और राज्य को सुधि दिलाकर मैं तुझे चिताता हूं।" (2 तीमुथियुस 4:1)

4. मसीह विश्वास्योग्य लोगों को पुरुस्कार देंगे

Christ will reward the faithful

प्रकाशितवाक्य में हम यीशु के द्वारा अपने शिष्यों को देये गये अन्तिम शब्दों के विषय में पढ़ते हैं। यें उनके विश्वासीयों के लिए भी उत्साहवर्धन का श्रोत है जो परमेश्वर के पुत्र के पृथ्वी पर दुबारा आने की बाट जोह रहे है। उनके उत्साहवर्धन के लिए ही उसने वायदा किया कि वह स्विश्वासीयों के लिए प्रतिफल लेकर आयेगा।

"देख, मैं शीघ्र आनेवाला हूं; और हर एक के काम के अनुसार बदला देने के लिये प्रतिफल मेरे पास है|" (प्रकाशितवाक्य 22:12)

रोमियों के दूसरे अध्याय में हमें बताया गयाकि यदि हम विश्वास योग्य है तो हमें अनन्त जीवन मिलेगा लेकिन यदि हमने सत्य की आज्ञा मानने के बजाये अपने मन की अभिलाषा के अनुसार जीवन व्यतीत किया है तो हम पर परमेश्वर का क्रोध व कोप पडेगा।

रोमियों 2:6-10 में हम पढते है कि "वह हर एक को उसके कामों के अनुसार बदला देगा। जो सुकर्म में स्थिर रहकर महिमा, और आदर, और अमरता की खोज में है, उन्हें अनन्त जीवन देगा। पर जो विवादी हैं, और सत्य को नहीं मानते, बरन अधर्म को मानते हैं, उन पर क्रोध और कोप पड़ेगा। और क्लेश और संकट हर एक मनुष्य के प्राण पर जो बुरा करता है आएगा, पहिले यहूदी पर फिर यूनानी पर। पर महिमा और आदर और कल्याण हर एक को मिलेगा, जो भला करता है, पहिले यहूदी को फिर यूनानी को।"

मत्ती 25:31-46 में यीशु ने एक दृष्टान्त अपने शिष्यों को बताया। इस दृष्टान्त में लोगों के दो स्मूहों जिनका न्याय होगा में भेद करने के लिए भेड तथा बकरी की संज्ञा दी गयी है।

भेड परमेश्वर की आज्ञाकारीयों को दर्शाती है जबकी बकरी आज्ञा उल्लंघन करने वालों को

दर्शाती हैं। जो विश्वास योग्य जीवन बिताये है वे अनन्त जीवन के अधिकारी होंगे (पद 34)। और जो आज्ञा उल्लंघन करने वाले है वे अनन्त की आग में डाल दिये जायेंगे (पग 41)।

यूहन्ना 5:29 पद बताता है कि न्याय का परिणाम अनन्त जीवन अथवा अनन्त की मृत्यु के रुप में होगा।

बाईबिल हमें सिखाती है कि जो परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य रहे है उन्हे प्रतिफल देने के लिए यीशु मसीह पृथ्वी पर वापस आ रहे है। विश्वासीयों को अनन्त जीवन मिलेगा और वें इसका आनन्द परमेश्वर के राज्य में ले सकेंगे।

यीशु कब वापिस आएगा?

When will Jesus return?

बाईबिल में यह स्पष्ट रुप से वर्णित है कि प्रभु यीशु पृथ्वी पर वापस आयेंगे। परमेश्वर इसके लिए दिन निर्धारित कर चुका है। प्रेरितों के काम का 17 अध्याय इसको हमारे लिए सत्यापित करता है।

"क्योंकि उस ने एक दिन ठहराया है, जिस में वह उस मनुष्य के द्वारा धर्म से जगत कान्याय करगा, जिसे उस ने ठहराया है ..." (प्रेरितों के काम 17:31)

लेकिन यह दिन कब है?

But when is this day?

मरकुस रचित सुसमाचार के 13 अध्याय में अपने शिष्यों को भविष्य में घटने वाली के विषय में यीशु मसीह ने भविष्यवाणी की।

इस भविष्यवाणी में उसने स्पष्ट रुप से बताया कि वह पृथ्वी पर वापस आयेगा तथा अपने विश्वासयोग्य अनुयाइयों को इकट्ठे करेगा।

"तब लोग मनुष्य के पुत्र को बड़ी सामर्थ और महिमा के साथ बादलों में आते देखेंगे। उस समय वह अपने दूतो को भेजकर, पृथ्वी के इस छोर से आकाश की उस छोर तक चारो दिशा से अपने चुने हुए लोगो को इकट्ठे करेगा।" (मरकुस 13:26-27)

उसने अपने शिष्यों को यह भी बताया कि इस दिन के विषय में वह स्वंय भी नहीं जानते है!

"उस दिन या उस घडी के विषय में कोई नहीं जानता, न स्वर्ग के दूत और न पुत्र; परन्तु केवल पिता।" (मरकुस 13:32)

बाद में, जब यीशु मृतकों में से जी उठे तथा अमरता प्राप्त कर ली तब उसके शिष्यों ने उससे पूछा कि क्या वह अभी इस्राएल का राज्य फेर देगा। (प्रेरितों के काम 1:6)

यीशु ने यह कहतेहुए उन्हे प्रतिउत्तर दिया "उन समयों या कालों को जानना, जिनको पिता ने अपने ही अधिकार में रखा है, तुम्हारा काम नहीं।" (प्रेरितों के काम 1:7)

साधारणतः बाईबिल हमें यीशु के पुरःआगमन की निश्चित तिथि के विषय में नहीं बताती। यद्यपि यह हमें उसके पुनःआगमन के विषय में एक सूत्र अवश्य प्रदान करती है।

यीशु के पृथ्वी पर वापस लौटने के चिन्ह

Signs of the return of Jesus

इस्राएल के लोग परमेश्वर के "विशिष्ट" लोग है। इस्राएल के लोग चिन्हित लोग हैं और परमेश्वर ने उन्हें अपनी सामर्थ्य प्रदर्शित करने के लिए उपयोग किया है। इस्राएल के लोगों को उपयोग करने के द्वारा परमेश्वर ने यह दर्शाया है कि वह अपने वचन के प्रति सच्चा है।

"यहोवा की वाणी है कि तुम मेरे साक्षी हो और मेरे दास हो, जिन्हे मैं ने इसलिये चुना है कि समझकर मेरी प्रतीति करो और यह जान लो कि मैं वही हूं। मुझ से पहिले कोई ईश्वर न हुआ और न मेरे बाद भी कोई होगा।" (यशायाह 43:10)

परमेश्वर ने कहा कि राष्ट्र तितर-बितर हो जायेंगे।

"और यहोवा तुझ को पृथ्वी के इस छोर से लेकर उस छोर तक के सब देशो के लोगों में तितर बितर करेगा; और वहां रहकर तू अपने पुरखाओं के अनजाने काठ और पत्थर के दुसर देवताओं की उपासना करेगा।" (व्यवस्थाविवरण 28:64)

परमेश्वर ने यह भी कहा कि राष्ट्र पुनःइकट्ठा किये जायेंगे।

"हे जाति जाति के लोगों, यहोवा का वचन सुनो, और दूर दूर के द्वोपों में भी इसका

प्रचार करो; कहो, कि जिस ने इस्राएलियों को तितर-बितर किया था, वही उन्हे इकठ्टे भी करेगा, और उनकी ऐसी रक्षा करेगा जैसी चरवाहा पने झुण्ड भी करता है।" (यिर्मयाह 31:10)

बाईबिल अपनी शिक्षाओं में स्पष्ट रुप से बताती है कि यहूदी इकट्ठा किये जायेंगे तथा इस्राएल की भूमि में पुनःस्थापित किये जायेंगे।

यीशु ने यह भी बताया कि यरुशलेम कुछ समय के लिए परदेशियों के अधीन रहेगा लेकिन यह सदैव के लिए नहीं होगा।

"... और जब तक अन्य जातियों का समय पूरा न हो, तब तक यरुशलेम अन्य जातियों से रौंदा जाएगा।" (लूका 21:24)

यीशु ने कहा कि मनुष्य के पुत्र के लौटने के समय यह पूरा होगा "तब वे मनुष्य के पुत्र को सामर्थ और बड़ी महिमा के साथ बादल पर आते देखेंगे।" (लूका 21:27)

सन् 70 में यहूदियों ने यरुशलेम के ऊपर से अधिकार खो दिया जैसे ही रोमी सेनाओं ने इस्राएलियों पर हमला किया तो इस्राएली संसार के इस छोर से दूसरे छोर तक तितर-बितर हो गये। यद्यपि इसका यहीं अन्त नहीं हो गया। 1967 में इस्राएलियों ने यरुशलेम को अरब के नियंत्रण से मुक्त करा लिया। लगभग 1900 वर्ष तक यरुशलेम अन्य जाति के अधीन रहा। लेकिन इस्राएलियों ने पुनः यरुशलेम को अपने नियंत्रण में ले लिया।

यदि यीशु अपने कथन "यरुशलेम दुबारा यहुदियों के नियंत्रण में होगा" में सच्चा था। तो हमें और भी निश्चिन्त हो जाना चाहिए कि उसका आना अब शीघ्र ही होगा।

बाईबिल की इस शिक्षा को समझना हमारे लिए अति महत्वपूर्ण होगा। प्रेरितों पतरस ने चेतवानी दी कि ऐसा समय आयेगा जब लोग महत्वपूर्ण शिक्षा का मजाक उडायेंगे।

"... यह पहिले जान लो, कि अन्तिम दिनों में हंसी ठठ्टा करनेवाले आएगे, जो अपनी ही अभिलाषाओ के अनुसार चलेंगे। और कहेंगे, उसके आने की प्रतिज्ञा कहां गई? क्योंकि जब से बापदादे से गए है, सब कुछ वैसा ही है, जैसा सृष्टि के आरम्भ से था?" (2 पतरस 3:3-4)

प्रेरित पतरस यह चेतावनी भी अपनी पत्री पढने वालों को देता है कि ऐसा भी लगेगा कि परमेश्वर अपने पुत्र को दुबारा पृथ्वी पर भेजने की प्रतिज्ञा को भूल गया है, परमेश्वर अपने वचन के प्रति सच्चा है और वह अपने कथन को अवश्य पूरा करेगा।

परमेश्वर अपने वायदे को भूला नहीं है और यहाँ तक की एक समय आयेगा जब लोग इस शिक्षा पर हसेंगे लेकिन इससे बाईबिल कि शिक्षा पर कोई फर्क नहीं पडता।

वास्तव में एक दृढ बात जो पतरस यहां बताता है कि परमेश्वर हमारी ओर ताक रहा है तथा धीरज रखे हुए है वह नहीं चाहता कि कोई भी नाश हो। परमेश्वर चाहता है कि हम उसके राज्य में सहभागी हो। यदि प्रभु यीशु अभी वापस आ जाये तो क्या हम उसके राज्य में प्रवेश के योग्य है। यदि नहीं तो यह समय आपके लिए है कि आप स्वंय को उसकी आगमन के लिए तैयार करें।

अधिक जानकारी के लिए कृपया नीचे दिए गए पत्ते पर हमें लिखिये।

क्रिस्टडेलफियन
जी.पी.ओ. बॉक्स 159
हैदराबाद 500001
भारत

यीशु ने कहा, "तुम्हारे लिये स्वर्ग में बडा फल है" (मत्ती 5:12), लेकिन उसने यह कभी नहीं कहा कि उस पुरुस्कार को प्राप्त करने के लिए कमें स्वर्ग जाना होगा "कोई स्वर्ग पर नहीं चढा" (यूहन्ना 3:13) इसके बदले यीशु ने प्रतिज्ञा की कि वह इस पुरस्कार को लेकर स्वर्ग से वापस पृथ्वी पर आयेगा, "देख, मैं शीघ्र आनेवाला हूं; और हर एक के काम के अनुसार बदला देने के लिये प्रतिफल मेरे पास है|" (प्रकाशितवाक्य 22:12)

यह लघु पुस्तिका राजाओं का राजा यीशु जो पृथ्वी पर वापस आकर इस संसार की समस्या का समाधान करेगा उसके विषय में बाईबिल की शिक्षा को प्रदर्शित करती है।

कृपया निम्नलिखित हेतु हमें लिखें:

- निःशुल्क मासिक पत्रिकाऐं
- पत्राचार द्वारा बाईबिल अध्ययन
- स्थानिय बाईबिल सेमीनार का विवरण

क्रिस्टेडेलफियन	The Christadelphians
पो. ओ. बाक्स. - 10	P.O. Box 10,
मुजफ्फरनगर, 251002, उत्तर प्रदेश	Muzaffarnagar 251002, U.P.